



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 163]  
No. 163]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1985/चैत्र 9, 1907  
NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985/CHAITRA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1985

आदेश

का. आ. 279 (अ) :—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 405 (अ), तारीख 20 जून, 1977; का. आ. 408 (अ), तारीख 16 जुलाई, 1979; का. आ. 556 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1980; का. आ. 575 (अ), तारीख 20 जुलाई, 1981; का. आ. 515 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1982; का. आ. 27 (अ), तारीख 19 जनवरी, 1983; का. आ. 514 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1983; का. आ. 948 (अ), तारीख 31 दिसम्बर-1983; का. आ. 468 (अ), तारीख 28 जून, 1984; और का. आ. 972 (अ), तारीख 29 दिसम्बर, 1984 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 375 (अ), तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा मैमर्स ग्लोकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता नाम औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध प्रथम उल्लिखित आदेश में निर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 31 मार्च, 1985 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए रहण किया था;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उक्त व्यक्तियों के निकाय द्वारा 31 मार्च, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए जारी रखा जाए;

अतः, उक्त, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि प्रथम उल्लिखित आदेश, 31 मार्च, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 6 (3)/79-मी. यू. एस.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY  
AFFAIRS

New Delhi, the 30th March, 1985

ORDER

S.O. 279(E).—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975

read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 495(E), dated the 20th June, 1977, S.O. 406(E), dated the 16th July, 1979, S.O. 556(E), dated the 21st July, 1980, S.O. 575(E), dated the 20th July, 1981, S.O. 515(E), dated the 21st July, 1982, S.O. 27(E), dated the 19th January, 1983, S.O. 514(E), dated the 21st July, 1983, S.O. 948(E), dated the 31st December, 1983, S.O. 468(E), dated the 28th June, 1984 and S.O. 972(E), dated the 29th December, 1984, the management of the Industrial undertaking known as Messrs Gluconate Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the order first mentioned for the period upto and inclusive of 31st March, 1985;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1986.

[F. No. 6(3)/79-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.